

NCERT SOLUTIONS

CLASS - 12th



aglasem.com

Class : 12th

Subject : मनोविज्ञान

Chapter : 7

Chapter Name : सामाजिक प्रभाव एवं समूह प्रक्रम

Q1 औपचारिक एवं अनौपचारिक समूह तथा अंतः एवं बाह्य समूहों की तुलना कीजिये एवं अंतर बताइये।

Answer. एक समूह को ऐसे दो या दो से अधिक व्यक्तियों की एक संगठित व्यवस्था के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जो एक दूसरे से अंतः क्रिया करते हैं एवं परस्पर निर्भर होते हैं, जिनकी एक जैसी अभिप्रेरणा होती है, सदस्यों के बीच निर्धारित भूमिका संबंध होता है और सदस्यों के व्यवहार को नियमित या नियंत्रित करने के लिए प्रतिमान या मानक होते हैं।

औपचारिक समूह उस मात्रा में भिन्न होते हैं जिस मात्रा में समूह के प्रकार स्पष्ट रूप से घोषित किए जाते हैं। एक औपचारिक समूह, जैसे- किसी कार्यालय संगठन के प्रकार्य स्पष्ट रूप से घोषित होते हैं। समूह के सदस्यों द्वारा निष्पादित की जाने वाली भूमिकाएं स्पष्ट रूप से घोषित होती हैं। दूसरी तरफ अनौपचारिक समूह का निर्माण नियमों या विधि पर आधारित नहीं होता है और सदस्यों में घनिष्ठ संबंध होता है।

'अंतः समूह' स्वयं के समूह को इंगित करता है और 'बाह्य समूह' दूसरे समूह को इंगित करता है। अंतः समूह में सदस्यों के लिए 'हमलोग' शब्द का उपयोग होता है जब कि बाह्य समूह जे सदस्यों के लिए 'वे' शब्द का प्रयोग किया जाता है। यह पाया गया है कि अंतः समूह में सामान्यतया व्यक्तियों में समानता मानी जाती है, उन्हें अनुकूल दृष्टि से देखा जाता है और उनमें वांछनीय विशेषक पाए जाते हैं। बाह्य समूह के सदस्यों को अलग तरीके से देखा जाता है और उनका प्रत्यक्ष अंतः समूह के सदस्यों की तुलना में प्रायः नकारात्मक होता है।

Page : 23 , Block Name : समीक्षात्मक प्रश्न

Q2 क्या आप किसी समूह के सदस्य हैं ? वह क्या है जिसने आपको इस समूह में सम्मिलित होने के लिए अभिप्रेरित किया ? इसकी विवेचना कीजिए।

Answer. बच्चे स्वयं करें।

Page : 23 , Block Name : समीक्षात्मक प्रश्न

Q3 समूह निर्माण को समझने के लिए टकमैन का अवस्था मॉडल किस प्रकार से सहायक है ?

Answer. अन्य चीजों की तरह समूह का विकास भी होता है। जिस क्षण आप लोगों के संपर्क में आते हैं उसी समय आप समूह के सदस्य नहीं बन जाते हैं। समोसा मान्यता निर्माण, द्वंद, स्थायीकरण, निष्पादन और अस्वीकरण की विभिन्न अवस्थाओं से गुजरता है। टकमैन ने बताया है कि समूह पांच विकासात्मक अनुक्रमों से गुजरता है। यह पांच अनुक्रम हैं- निर्माण या आकृतिकरण, विप्लवन या झंझावात, प्रतिमान या मानक निर्माण, निष्पादन एवं समापन।

-जब समूह के सदस्य पहली बार मिलते हैं तो समूह, लक्ष्य एवं लक्ष्य को प्राप्त करने के संबंध में अत्यधिक अनिश्चितता होती है। दूसरे को जानने का प्रयत्न करते हैं और यह मूल्यांकन करते हैं कि समूह के लिए उपयुक्त रहेंगे। यहां उत्तेजना के साथ ही भय का भी निर्माण होता है। निर्माण जागृति करण की अवस्था कहा जाता है

-इस अवस्था में अंतरा-समूह द्वंद की अवस्था दिखाई देती है, जिसमें समूह और उसके संसाधनों को कौन, कैसे कार्य निष्पादित करता है पर चर्चा होती है। इसे ही विप्लवन या झंझावात की अवस्था कहा जाता है।

-विप्लव झंझावात की अवस्था के बाद एक दूसरी अवस्था आती है जिसे प्रतिमान या मानक निर्माण की अवस्था के नाम से जाना जाता है। इस अवधि में समूह के सदस्य समूह व्यवहार से संबंधित मानक विकसित करते हैं। यह सकारात्मक समूह अनन्यता के विकास का मार्ग प्रशस्त करता है।

-चौथी अवस्था निष्पादन की होती है। इस अवस्था तक समूह की संरचना विकसित हो चुकी होती है। समूह के सदस्य से स्वीकार कर लेते हैं। समूह लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में समूह अग्रसर होता है। कुछ समूहों के लिए यह समूह विकास की अंतिम अवस्था होती है।

-और कुछ समूह के लिए, विद्यालय समारोह के लिए आयोजन समिति के संदर्भ में एक अन्य अवस्था होती है जिसे समापन की अवस्था के नाम से जाना जाता है। इस अवस्था में जब समूह का कार्य पूरा हो जाता है तब समूह भंग किया जा सकता है।

Page : 23 , Block Name : समीक्षात्मक प्रश्न

Q4 समूह हमारे व्यवहार को किस प्रकार से प्रभावित करता है?

Answer. हमने कई बार देखा है कि समूह शक्तिशाली होते हैं क्योंकि यह व्यक्ति के व्यवहार को प्रभावित करने में सक्षम होते हैं। इसमें हमलोग दो स्थितियों की परिचर्चा करेंगे, पहला- दूसरों की उपस्थिति में एक व्यक्ति का अकेले किसी कार्य का निष्पादन करना(सामाजिक सुकरीकरण) तथा दूसरा, एक बड़े समूह के अंग के रूप में दूसरे व्यक्तियों के साथ एक व्यक्ति का किसी कार्य पर निष्पादन करना(सामाजिक स्वैराचार)। सामाजिक स्तरीकरण शोध बताता है कि दूसरों की उपस्थिति भाव प्रबोधन उत्पन्न करती है और यह व्यक्ति को अपने निष्पादन में वृद्धि करने के लिए अभी प्रेरित करती है। यह वृद्धि तब होती है जब व्यक्ति के मूल्यांकन व्यक्तिगत रूप से किया जाता है। यदि एक समूह में व्यक्ति के प्रयासों को समुचित कर दिया जाए या एक साथ मिला दिया जाए या जिसके कारण आप संपूर्ण समूह के स्तर पर निष्पादन को देखने लगते हैं तो ऐसी स्थिति में यह पाया गया है कि अकेले निष्पादन करने की तुलना में समूह में व्यक्ति कम मेहनत से कार्य करता है। या एक ऐसे गोचर को इंगित करता है जिसे 'सामाजिक स्वैराचार' कहा जाता है।

एक अध्ययन के परिणाम नहीं यह प्रदर्शित किया कि यद्यपि शोरगुल की मात्रा समूह के आकार के बढ़ने के साथ बढ़ती एवं घटती है लेकिन समूह के कम होने के कारण प्रतिभागियों की सहभागिता बढ़ती ही गई। इसके कारण के

रूप में हो सकता है कि समूह के सदस्य निष्पादित किए जाने संपूर्ण कार्य के प्रति कम उत्तरदायित्व का अनुभव करते हैं और इस कारण वे कम प्रयास करते हैं, समूह के बीच अनुपयुक्त समन्वय होता है, समूह के निष्पादन की तुलना किसी दूसरे समूह से नहीं की जाती है, सदस्यों की अभिप्रेरणा कम हो जाती है क्योंकि वह अनुभव करते हैं कि उनके योगदान का मूल्यांकन व्यक्तिगत स्तर पर नहीं किया जाएगा तथा सदस्यों के लिए उसी समूह की सदस्यता आवश्यक नहीं होती।

Page : 23 , Block Name : समीक्षात्मक प्रश्न

Q5 समूह में सामाजिक स्वैराचार को कैसे कम किया जा सकता है ? अपने विद्यालय में सामाजिक स्वैराचार की किन्हीं दो घटनाओं पर विचार कीजिए।

Answer. सामाजिक स्वैराचार को निम्न प्रकार से कम किया जा सकता है:

- प्रत्येक सदस्य के प्रयासों को पहचानने योग्य बनकर।
- कठोर परिश्रम के लिए दबाव को बढ़ाना अर्थात सफल कार्य निष्पादन के लिए समूह सदस्यों को वचनबद्ध करके।
- कार्य के प्रकट महत्व या मूल्य को बढ़ा कर।
- लोगों को यह अनुभव कराना कि उनका व्यक्तिगत प्रयास महत्वपूर्ण है।
- समूह संसक्तता को प्रबल करना जो समूह के सफल परिणाम के लिए अभिप्रेरणा को बढ़ा कर।

Page : 23 , Block Name : समीक्षात्मक प्रश्न

Q6 आप अपने व्यवहार में प्रायः सामाजिक अनुरूपता का प्रदर्शन कैसे करते हैं ? सामाजिक अनुरूपता में कौन कौन से निर्धारक हैं?

Answer. यह पाया गया है कि क्योंकि व्यक्ति द्वारा अकेले की तुलना में समूह द्वारा अंतिम निर्णय लेने की संभावना अधिक होती है। समूह की प्रारंभिक स्थिति जो भी हो, में विचार विमर्श के परिणामस्वरूप यह स्थिति और भी मजबूत हो जाती है। समूह में अंतःक्रिया और विचार-विमर्श के परिणामस्वरूप समूह की प्रारंभिक स्थिति की ममता को समूह ध्रुवीकरण कहा जाता है। इसके कभी-कभी खतरनाक प्रभाव भी हो सकते हैं, क्योंकि समूह चरम स्थितियों, अर्थात बहुत कमजोर से बहुत कठोर निर्णय लेने की स्थिति को प्राप्त कर सकते हैं। इस दृढ़ धारणा के लिखित कारण हो सकते हैं:

- समान विचार रखने वाले व्यक्ति की संगति में आपके दृष्टिकोण को समर्थित करने वाले नए तर्क को सुनने की संभावना रहती है। यह आपको निर्णय के प्रति अधिक दृढ़ बनाएगा।
- जब आप यह देखते हैं कि अन्य लोग भी आप के निर्णय के पक्ष में हैं तो आप या अनुभव करते हैं या दृष्टिकोण या विचार जनता के द्वारा वैधिकृत किया जा रहा है। यही विचार अनुरूपता प्रभाव कहा जाता है।

-जब आप समान विचार रखने वाले व्यक्तियों को देखते हैं तो संभव है कि आप उन्हें अंतःसमूह के रूप में देखें। आप समूह के साथ तादात्म्य स्थापित करना प्रारंभ कर देते हैं, अनुरूपता का प्रदर्शन आरंभ कर देते हैं और जिसके परिणामस्वरूप आपके विचार दृढ़ हो जाते हैं।

Page : 23 , Block Name : समीक्षात्मक प्रश्न

Q7 लोग यह जानते हुए भी की उनका व्यवहार दूसरों के लिए हानिकारक हो सकता है, वो क्यों आज्ञा पालन करते हैं? व्याख्या कीजिए।

Answer. जब अनुपालन ऐसे अनुदेश या आदेश के प्रति प्रदर्शित किया जाता है जो किसी आप्त व्यक्ति, जैसे माता-पिता अध्यापक या पुलिसकर्मी के द्वारा निर्गत होता है इस व्यवहार को आज्ञापालन कहा जाता है। कभी-कभी लोग ऐसे आज्ञा का भी पालन करते हैं जिससे दूसरों को हानि हो सकती है।

-लोग ऐसा इसलिए करते हैं क्योंकि वह अनुभव करते हैं कि स्वयं के क्रियाकलापों के लिए वे उत्तरदायी नहीं हैं, वे मात्र आप्त व्यक्तियों द्वारा निर्गत आदेशों का पालन कर रहे हैं।

-वे सामान्यता आप्त व्यक्तियों द्वारा निर्गत आदेशों का पालन कर रहे हैं।

-आप्त पिता देशों को कम से कम से अधिक कठिन स्तर तक बढ़ाते हैं और प्रारंभिक आज्ञापालन अनुसरणकर्ता को प्रतिबद्धता के लिए बाध्य करता है।

-अनेक बार घटनाएँ इतनी शीघ्रता से बदलती रहती है जैसे दंगे की स्थिति में, एक व्यक्ति के पास विचार करने के लिए समय नहीं होता है ऊपर से मिलने वाले आदेशों का पालन करना होता है।

Page : 23 , Block Name : समीक्षात्मक प्रश्न

Q8 सहयोग के क्या लाभ हैं ?

Answer. जब समूह किसी साझा लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक साथ कार्य करते हैं तो हम इसे सहयोग कहते हैं। सहयोगी स्थितियों में प्राप्त होने वाले प्रतिफल सामूहिक पुरस्कार होते हैं ना कि वैयक्तिक पुरस्कार। सहयोगी लक्ष्य वह जिसमें कोई व्यक्ति तभी लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है जब समूह के अन्य व्यक्ति भी लक्ष्य को प्राप्त कर लें। उदाहरणार्थ, एक रिले रेस विजय टीम के सभी सदस्यों के सामूहिक निष्पादन पर निर्भर करती है। लोगों के सहयोग करने के अनेक कारण हैं जिनमें पारितोषिक संरचना अर्थात् जिसमें व्यक्ति पुरस्कार तभी पा सकता है जब सामूहिक निष्पादन से प्रतिस्पर्धा को जीत ले, दूसरा, अंतर्व्यक्तिक संप्रेषण अर्थात् सहयोगियों की आपस में संप्रेषण और एक दूसरे को अपनी बात मनवा लेने की क्षमता, तीसरा, परस्परता अर्थात् लोग जिस चीज को प्राप्त करते हैं उसे लौटाने में कृतज्ञता का अनुभव करते हैं। आरंभिक सहयोग आगे चलकर अधिक सहयोग को प्रोत्साहित करता है आदि।

Page : 23 , Block Name : समीक्षात्मक प्रश्न

Q9 एक व्यक्ति की अनन्यता कैसे बनती है?

Answer. अगर मैं पूछूं कौन है? तो आपका जवाब यह होगा एक परिश्रमी तथा प्रसन्नचित्त लड़का या लड़की। यह उत्तर आपको आपकी सामाजिक अनन्यता, जो 'व्यक्ति कौन है' इसकी उसकी स्वयं की परिभाषा है, के बारे में जानकारी देता है। हमारी अनन्यता के कुछ पक्ष शारीरिक विशेषताओं से निर्धारित होते हैं, तथापि हम अन्य पक्षों को समाज में अन्य व्यक्तियों से होने वाले अंतःक्रिया के परिणामस्वरूप अर्जित कर सकते हैं। कभी-कभी हम स्वयं को अनूठे व्यक्ति के रूप में देखते हैं दूसरी स्थिति में हम स्वयं को समूह के सदस्य के रूप में देखते हैं। आत्म या स्व की अभिव्यक्ति के लिए दोनों ही समान रूप से वैध है। स्वयं को एक अनूठे व्यक्ति के रूप में देखने के दृष्टिकोण से उत्पन्न हमारी व्यक्तिगत अनन्यता और उस समूह जिसके सदस्य के रूप में हम स्वयं को देखते हैं उससे उत्पन्न सामाजिक अनन्यता दोनों ही हमारे लिए महत्वपूर्ण है।

अपने स्वयं के अनुभव से आप यह अनुभव करेंगे कि आपके आत्म संप्रत्यय के लिए एक सामाजिक समूह के साथ तादात्म्य बहुत अधिक महत्वपूर्ण है। जब भारत कोई क्रिकेट मैच जीतता है आप कैसा अनुभव करते हैं? आप स्वयं को उल्लासित और गौरवान्वित अनुभव करते हैं। आप ऐसा इसलिए अनुभव करते हैं क्योंकि आपकी अनन्यता एक भारतीय के रूप में है। अतः सामाजिक अनन्यता हमारे आत्म संप्रत्यय का वह पक्ष है जो हमारी समूह सदस्यता पर आधारित है। सामाजिक अनन्यता एक बड़े सामाजिक संदर्भ में हमें यह बताती है कि हम क्या हैं और हमारी क्या स्थिति है तथा इस प्रकार समाज में हम कहां हैं और इसको जानने में सहायता करती है।

Page : 23 , Block Name : समीक्षात्मक प्रश्न

Q10 अंतर-समूह द्वन्द के कुछ कारण क्या हैं? किसी अंतराष्ट्रीय संघर्ष पर विचार कीजिए। इस संघर्ष की मानवीय कीमत पर विचार कीजिए।

Answer. बच्चे स्वयं करें।

Page : 23 , Block Name : समीक्षात्मक प्रश्न